हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, शनिवार, 3 मई 2025

तापमान
अधिकतम 36.0 डिग्री
न्यूनतम 24.0 डिग्री

11 हैबतपुर मेडिकल कॉलेज में हर हाल में 3 माह में ओपीडी प्रारंभ हो

11 एसपी मेमोरियल पब्लिक स्कूल में लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

खबर संक्षेप

हथियार से हमला कर महिला को किया घायल

जींद। गांव कुचराना कलां में जेठ का बीचबचाव करने पहुंची महिला पर व्यक्ति ने हथियार से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। अलेवा थाना पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपित के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कुचराना कलां निवासी संतोष ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि पड़ोसी महेंद्र उसके जेठ के साथ झगड़ रहा था।

बाइक सवार एक युवक की मौत, दो घायल

कैथल। गांव गढी निकट पराली से भरी ट्रैक्टर ट्राली के चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई जबकि दो अन्य घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। गांव पाडला के विक्रम उर्फ बिल्लू ने सदर पुलिस को शिकायत में बताया कि वह 1 मई को काम के लिए कैथल आया था।

नरवाना रेलवे स्टेशन के बाहर मिला अज्ञात शव

नरवाना। नरवाना रेलवे स्टेशन के बाहर एक लावारिस व्यक्ति की डैड बाड़ी मिलीए मिली जानकारी के अनुसार उसकी उम्र लगभग 55 वर्ष है। रेलवे पुलिस चौकी प्रभारी चरणसिंह चोपड़ा ने बताया कि बाडी के बाये हाथ पर ईश्वर सिंह गुदा है मृतक की पहचान नहीं हो सकी है शव को कब्जे में लेकर पहचान के लिए नागरिक अस्पताल में रखवा दिया है।

कैथलः राष्ट्रीय लोक अदालत 10 मई को

कैथल। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कैथल के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुभाष मैहला की देखरेख में 10 मई को न्यायिक परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। कैथल तुषार शर्मा और अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश (सिनियर डिवीजन) गुहला डिवीजन अक्षय कुमार में किया जाएगा।

गांव जाजवान में संदिग्ध हालात में महिला की मौत

जींद। गांव जाजवान में महिला की बीती रात संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के गले पर चुन्नी का निशान था। आशंका जताई जा रही है कि महिला की गला घोंट कर हत्या की है। हत्या के पीछे क्या कारण रहे, खुलासा नही हो पाया है। मृतका तीन दिन पहले ही मायके से लौटी थी। पुलिस ने मृतका के पिता की शिकायत पर पति व सास के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है।

सीनियर सिटीजन की मासिक बैठक 4 को

कैथल। सीनियर सिटीजन वैलफेयर सोसाइटी कैथल की मासिक बैठक प्रधान नरेंद्र निझावन व मुख्य संरक्षक महेश दुआ की अध्यक्षता में 4 मई को मदनलाल ढींगरा स्मारक स्थित पंजाबी वैलफेयर सभा के सभागार में आयोजित होगी। बमहासचिव धन सचदेवा ने बताया कि इस बैठक में अप्रैल और मई माह में जन्मे वरिष्ठ साथियों के जन्मदिन हर्षोल्लास पूर्वक मनाए जाएंगे।

कार की टक्कर से बाइक सवार तीन लोग घायल

जींद। नरवाना के कैनाल रोड पर तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार तीन लोग घायल हो गए। शहर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर फरार कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव झील निवासी प्रेम, उसकी पत्नी रीटा, बेटा मनिक नरवाना शादी में गए हुए थे। रात का तीनों बाइक से अपने घर लौट रहे थे।

पांच मई को लगाया जाएगा रक्तदान शिविर

कैथल। पूंडरी विधायक सतपाल जांबा के निजी सचिव अरुण ने बताया कि पांच मई को केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल का जन्मदिन है। इस उपलक्ष्य में राधा कृष्ण धर्मशाला ढांड में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा।

आंधी के साथ बरसात से बिजली और पेयजल स्पलाई प्रभावित, धड़धड़ाते रहे जनरेटर सेट

जींद में 296 खंभे, 200 पेड़ और छह ट्रांसफार्मर गिरे

जिले में औसतन 13.37 एमएम बरसात, पिल्लूखेड़ा में 27 एमएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

पश्चिमी विक्षोभ के चलते रात को आंधी के साथ हुई बारिश ने भीष्ण गर्मी से लोगों को राहत दिलाने का काम किया है। वहीं मंडियों में पड़ा लाखों क्विंटल गेहूं भी भीग गया। आंधी के कारण कई स्थानों पर पेड़ तथा बिजली के पोल टूट कर गिर गए। जिसके चलते बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई। कुछ स्थानों पर जलभराव भी देखने को मिला। बारिश के कारण तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। जिले में औसत 13.37 एमएम बारिश दर्ज की गई है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 36 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 24 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम में आद्रता 59 प्रतिशत तथा हवा कि गति 19 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार छह अप्रैल तक मौसम परिवर्तनशील बना रहेगा। बादलवाई के साथ बूंदाबांदी तथा धूल भरी हवा भी चलेगी। तेज आंधी से अलग-अलग जगहों पर 296 पोल गिरे। जबकि छह ट्रांसफार्मर भी गिर गए। लगभग 200 पेड़ भी गिरे। पिछले कुछ दिनों से भीष्ण गर्मी तथा हीट वेव से लोग बेहाल थे। मध्यरात्री मौसम ने करवट ली। जिसके साथ तेज आंधी चली। जिसके कुछ समय के बाद बारिश शुरू हो गई। जो रूक-रूक कर सुबह तक जारी रही। दिनभर आकाश में बादलों को आवागमन लगा रहा। हवा की गति तेज तथा ठंडी रही। तापमान में भी दो डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। दिनभर मौसम सुहाना बना रहा। मध्यरात्री के बाद जिले में औसतन 13.37 एमएम बारिश दर्ज की गई। सबसे ज्यादा बारिश पिल्लूखेड़ा में दर्ज की गई। जहां पर 27 एमएम बारिश दर्ज की गई। जींद मे 15 एमएम, नरवाना 12 एमएम, सफीदों में 10 एमएम, जुलाना में 12 एमएम, उचाना में पांच एमएम, अलेवा में 12.6 एमएम बारिश दर्ज की गई है। बारिश बिजी गई फसलों के लिए फायदेमंद है। साथ ही गर्मी से भी राहत दिलाने का काम बारिश ने किया है। बीती रात आंधी तथा बारिश के चलते कई स्थानों पर बिजली पोल तथा पेड़ टूट गए और बोर्ड तथा होर्डिंग उखड़ कर सडकों पर जा गिरे। बिजली गुल हो गई। काफी स्थानों पर तो 12 घंटे बाद भी बिजली बहाल नही हो पाई। जिसका असर पेयजल स्पलाई पर भी पडा। बिजली गुल रहने के कारण जरनेटर धड़धड़ाते रहे। बिजली गुल रहने के कारण लोगो को परेशानी का सामना करना पड़ा।

जींद। तेज हवा के चले गिरे बिजली के पोल। फोटो :हरिभूमि

जींद। तेज आंधी और बरसात के कारण गिरा पेड़। फोटो :हरिभूमि

सफीदों। बरसात के पानी में बहा गेहूं। फोटो :हरिभूमि

परिवर्तनशील बना मौसम

मौसम विभाग के अनुसार छह मई तक मौसम परिवर्तनशील बना रहेगा। चार मई को भी पश्चिमी विक्षोभ दस्तक दे रहा है। जिसके चलते धूल भरी हवा के साथ बारिश की संभावना है। इस दौरान आकाश में बादलवाई के बूंदाबांदी तथा धूल भरी हवा चलने की सभावना है। तापमान मे गिरावट आएगी। मौसम वैज्ञानिक डा. राजेश ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के असर से चलते मौसम मे बदलाव आया है। छह मई तक मौसम परिवर्तनशील बना रहेगा। इस दौरान बारिश के साथ धूल भरी हवा की संभावना है।

लाखों क्विंटल गेहूं भीग

बारिश तथा आंधी की चेतावनी मौसम विभाग ने पहले दे दी थी। अधिकारियों ने गेहूं उठान को लेकर एजेंसियों को चेतावनी भी दी थी। बावजूद इसके गेहूं का उठान नही हो पाया। जिसके चलते मंडियों में पडा लाखों क्विंटल गेहूं भीग गया। जिले मे अबतक 672037 मीट्रिक टन की खरीद हो चुकी है। जबकि अबतक 436870 मीट्रिक टन गेहूं का उठान हो पाया है। 35 प्रतिशत गेहूं अब भी मंडियों में पड़ी हुई है। जब तक गेहूं गोदाम तक नही पहुंचती तब किसान की राशि का भुगतान नही होता। गेहूं के भीगने से गुणवता पर भी फर्क पडता है।

जुलाना। मंडी में बरसाती पानी में भीगे गेहूं के बैग। फोटो :हरिभूमि

जुलाना:मंडी में बरसात में भीगा लाखों क्विंटल गेहूं

जुलाना। जुलाना कस्बे की अनाजमंडी में बरसात से खुले में पड़ा लाखों क्विंटल गेहूं भीग गया। गेहूं भीगने से खरीद में देरी होगी और उठान भी नही हो पाएगा। मंडी में अब तक सात लाख बैग का उठान नही हो पाया है। मंडी में अब तक 974256 किवंटल गेहूं की आवक हो चुकी है और मंडी में 357393 किवंटल गेहूं का उठान नही हो पाया है। मंडी में लाखों किवंटल गेहूं खुले आसमान के नीचे पड़ा है। खरीद एजेंसियों की माने तो उनके पास गेहूं रखने के लिए खाली जगह नही है। मंडी में दो दिन से दर्जनों ट्रक गेहूं के भरे खड़े हैं लेकिन खरीद एजेंसियों के पास गेहूं भंडारण के लिए जगह ही नही है। आढ़ती एसो के प्रधान पवन ने कहा कि खरीद एजेंसियों की लापरवाही से आढ़तियों को नुकसान हो रहा है।

नरवाना। बरसात के पानी के बीच से गुजरते वाहन। फोटो :हरिभूमि

लोहे के पोल में करंट से गोवंश की मौत

नरवाना। शुक्रवार सुबह हल्की सी बरसात हुई जिसकी वजह से डाडली खेड़ा हाऊसिंग बोर्ड कालोनी में भरा पानी और शहर में जगह.जगह पानी खड़ा है सबसे ज्यादा दर्दनाक घटना तो पटेल नगर की है जहां बिजली के लोहे पोल से छू जाने से गो वंश की मौत हो गई। गली वाले लोगों का है कि काफी समय से इसकी शिकायत बिजली विभाग से कर चुके हैं लेकिन किसी ने सुनवाई नहीं की जिसकी वजह से ये हादशा हो गया। पीने के पानी के लिए लोग परेशान हो रहे हैं और दूसरी तरफ हल्की सी बरसात में शहर में जगह.जगह पानी भर गया है लोगों को आने जाने में परेशानी उठानी पड़ती हैं। कुछ लोगों ने तो दबी जुबान में कहना शुरू कर दिया है कि इस से तो पहले वाले ही अच्छे थे वो खाली एम एल ए थे वो चंडीगढ़ बनाने का दावा नहीं करते थे ये तो पावरफुल मंत्री हैंलेकिन अब तो चुनाव के समय किये दावे तो जुमले दिखाई देने शुरू हो गए है। शहर की सफाई, पानी, सीवर आदि की समस्याओं का कुछ भी समाधान नहीं है समस्याएं यूं की यूं मुंह चिढ़ा रही है। देखिए आगे क्या होगा ये तो आने वाला समय ही बताएगा।

राजौंद में बरसात से अनाज भीगा

राजौंद। गुरुवार की रात हुई बरसात से अनाज मंडी में पड़े गेहूं के हजारों कट्टे भीग गए। कई स्थानों पर गेहूं कच्चे होने के कारण कट्टे पूरी तरह भीग गए। इतना ही नही इसमें उठान की धीमी गति के कारण सबसे ज्यादा बरसात से नुकसान हुआ है। मंडी एसोसिएशन राजौंद के प्रधान महीपाल राणा व भीम सिंह ने बताया कि अगर उठान सही होता तो इतना नुकसान गेहूं को न होता। उन्होंने कहा कि उठान काफी धीमा होने के कारण राजौंद के नए सेंटरों पर भी गेहूं के हजारों कट्टे खुले आसमान के नीचे पड़े है। ऐसे में उन्हें ज्यादा नुकसान हुआ है। मार्केट कमेटी सचिव ओमप्रकाश ने बताया कि गेहूं के काफी बैग शैड के नीचे थे लेकिन जहां गेहूं सेंटरों पर खुले व कच्चे में पड़ी है वहां से मजदूरों द्वारा गेहूं के चट्टे लगवाए जा रहे है ताकि गेहूं में होने वाले नुकसान से बचा जा सके। उन्होंने बताया कि राजौंद, जाखौली, किठाना व सेरधा में खरीद एजेंसियों द्वारा 643418 क्विंटल की खरीद की जा चुकी है।

बरसात बनी आफत : पूंडरी मंडी में लाखों कट्टे गेहूं भीगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

गुरुवार रात की बारिश पूंडरी अनाज मंडी के किसानों और आढ़तियों के लिए भारी मुसीबत बनकर आई। मंडी में खुले में पड़ी लाखों की संख्या में गेहूं की बोरियां और ढेरियां पानी में भीग गईं, जिससे अनाज खराब होने का खतरा मंडराने लगा है। मंडी में स्थित गेहूं की ढेरियों में बारिश का पानी घुस गया, जिससे खुले में पड़ी उपज पूरी तरह से भीग गई है।आढ़तियों ने बताया कि उन्हें अतिरिक्त मजदूरी देकर पानी में भीगे कट्टों को निकलवाना पड़ रहा है और उन्हें डांग लगवाकर सुखाने की कोशिश की जा रही है। किसानों की मेहनत से खेतों से लाई गई गेहूं मंडियों में पड़ी है, लेकिन खरीद एजेंसियों की सुस्ती से यह अब बर्बाद हो रही है।हेफेड व वेयरहाउस की धीमी खरीद और लिफ्टिंग बनी समस्या की जड़ मंडी में गेहूं की खरीद कर रही हेफेड और वेयरहाउस की कार्यशैली पर आढ़तियों ने सवाल उठाए हैं। आढ़तियों का कहना है कि दोनों एजेंसियों द्वारा न केवल धीमी गति से खरीद की जा रही है, बल्कि संबंधित ठेकेदारों द्वारा लिफ्टिंग भी बहुत कम मात्रा में की जा रही है। इससे मंडी में खुले में रखा गेहूं खराब होने, चोरी होने और दीमक लगने जैसे खतरों का सामना करना पड़ रहा है।कई ढेरियां अब भी पड़ी हैं बिना खरीदी के मंडी में वर्तमान में हेफेड के लगभग 1.20 लाख कट्टे तथा वेयरहाउस के लगभग 50 हजार कट्टे मंडी में व इसके बाहर खुले में पड़े हुए हैं। इसके अलावा, हेफेड द्वारा खरीद प्रक्रिया में रुचि न लेने से कई ढेरियां अब भी बिना खरीदी के पड़ी हैं, जिससे किसानों में नाराजगी है।

आढ़तियों ने प्रशासन से मांग की है कि स्थिति का संज्ञान लेकर जल्द से जल्द लिफ्टिंग करवाई जाए और खरीद प्रक्रिया को तेज किया जाए, ताकि किसानों और आढ़तियों को अनावश्यक नुकसान से बचाया जा सके।

उठान में तेजी लाएं

संबंधित अधिकारियों को समय-समय पर पत्र जारी किए गए हैं और लिफ्टिंग प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए कहा गया है। मंडी की समस्याओं से उच्चाधिकारियों को भी अवगत कराया है।*गुलाब सिंह, सचिव, मार्केट कमेटी पूंडरी।*

जींद। बिजली की स्पलाई को ठीक करते कर्मचारी। फोटो :हरिभूमि

जींद। मंडी में भीगी फसल को देखते एसडीएम पुलकित।

एसडीएम ने लिया जायजा

जींद। बारिश के बाद एसडीएम फिल्ड में उतरे और अनाज मंडियों में पहुंच बारिश से भीगी फसल का निरीक्षण किया। सफीदों व पिल्लूखेड़ा की नई अनाज मंडियों का एसडीएम पुलकित मल्होत्रा ने शुक्रवार को निरीक्षण किया और गेहूं उठान प्रक्रिया से संबंधित कार्यों का निरीक्षण किया। मंडी में पहुंच कर स्वयं गेहूं की ढेरियों की नमी जांची और आढतियों व खरीद एजेंसियों को विशेष हिदायत दी कि बरसात के मौसम को देखते हुए तिरपाल व अन्य जरूरी चीजों का प्रबंध रखें ताकि सुखे व साफ.सुथरे गेंहू का भंडारण किया जा सके। एसडीएम ने पिल्लूखेड़ा अनाज मंडी में रूके हुए बरसाती पानी की मौके पर ही निकासी व साफ.-सफाई करवाई और खरीद एजेंसियों व आढतियों को कहा कि बरसात के मौसम को देखते निर्धारित मात्रा में तीरपाल व अन्य प्रकार का प्रबंध करें।

सफीदों में बिजली व्यवस्था बाधित

सफीदों। देर रात आए आंधी, तुफान व बारिश ने सफीदों क्षेत्र में जमकर तबाही मचाई। देर रात अचानक मौसम ने करवट ली और आसमान में चारो ओर काली घटाएं छा गईं। उसके बाद तेज आंधी-तुफान आया और बारिश शुरू हो गई। इस तुफान में करीब 186 बिजली के पोल व करीब 150 पेड़ गिर गए। पोल गिरने के कारण लंबे वक्त तक बिजली व्यवस्था बाधित रही। बिजली निगम व वन विभाग के कर्मचारी पोल व पेड़ों को हटाने में जुटे रहे। वहीं सफीदों मंडी समेत अन्न खरीद केंद्रों पर पड़ा लाखों टन गेहूं बारिश के पानी में लबालब हो गया। आढ़तियों व किसानों ने अपनी फसल को तिरपाल ढककर उसे बचाने का प्रयास जरूर किया लेकिन उनके प्रयास नाकाफी रहे क्योंकि सफीदों मंडी उचित उठान व्यवस्था के अभाव में करीब चार लाख बोरियां व खुला गेंहू पड़ा हैं।

सफीदों। मंडी में भरा हुआ पानी। फोटो :हरिभूमि

पाई और करोड़ा की अनाज मंडी में गेहूं के नीचे फिरा बरसाती पानी

पाई में गेहूं के नीचे फिरा बरसाती पानी

पाई। वीरवार रात्रि अचानक हुई बेमौसमी बरसात से पाई व करोड़ा मंडी के आढतियों को बहुत भारी नुकसान हुआ है। आढतियों ने सरकार से मुआवजे व नमी की मात्रा अधिक करने की मांग की है। विदित रहे कि इस समय पाई व करोड़ा की अनाज मंडी में गेहूं से भरी हुई पड़ी है। रात्रि को अचानक तेज बरसात हो गई और लाखों बोरियां बरसात में भीग गई। जिस कारण से उन में नमी की मात्रा अधिक हो गई और अब आढ़तियों को डर है कि कहीं उनकी फसल से भरी बोरियां खराब न हो जाए। आढती रणधीर सिंह फौजी ने बताया की गत रात्रि अचानक हुई बरसात से आढती संभाल नहीं पाया और खुले में पड़ी उनकी भरी हुई गेहूं की बोरियां भीग गई, जो सूखने के बाद ही उठेगी। जब तक यह उठने के बाद गोदाम में नहीं चली जाती, तब तक किसान को भी फसल की पेमेंट की अदायगी नहीं होगी।

कैथलः नियमों का उल्लंघन करने पर बाइक चालक पर 11500 रुपये का जुर्माना ठोका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

पुलिस चौकी प्रभारी राजेंद्र कुमार के नेतृत्व में सडक सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई करते एक बाइक चालक का 11,500 रुपये का चालान किया गया। जानकारी के अनुसार बाइक चालक न केवल बिना नंबर प्लेट के वाहन चला रहा था बल्कि उसने बाइक का साइलेंसर भी अवैध रूप से बदल रखा था, जिससे तेज आवाज हो रही थी। चौकी प्रभारी राजेंद्र कुमार ने बताया कि नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिना नंबर प्लेट के वाहन न केवल कानून का उल्लंघन करते हैं, बल्कि इससे अपराधियों को भी फायदा मिलता है क्योंकि ऐसे वाहनों की पहचान करना मुश्किल हो जाता है। वहीं, बदले हुए साइलेंसर न केवल ध्वनि प्रदूषण फैलाते हैं बल्कि आम लोगों के लिए असुविधा का कारण भी बनते हैं। पुलिस ने मौके पर ही कार्रवाई करते हुए मोटर व्हीकल एक्ट के तहत 11,500 रुपये का चालान काटा। चौकी प्रभारी ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे ट्रैफिक नियमों का पालन करें।

जींद में बनाए पांच परीक्षा केंद्र, पुलिसबल की रहेगी तैनाती, ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त

- राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा नीट 2025 का आयोजन कल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

चार मई को होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा नीट 2025 का आयोजन राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा रविवार को दोपहर दो बजे से पांच बजे तक पेन व पेपर मोड में किया जाएगा। जिले में कुल पांच परीक्षा केंद्रों पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं तथा अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य को पूरे जिले का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जो परीक्षा संबंधी समस्त व्यवस्थाओं की निगरानी करेंगे।

जिला में बनाए गए पांच परीक्षा केंद्र, पुलिसबल की रहेगी तैनाती परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, सेंटरों की सुरक्षा, ट्रैफिक नियंत्रण, भीड़ प्रबंधन तथा गोपनीय परीक्षा सामग्री के एस्कॉर्ट की जिम्मेदारी पुलिस विभाग द्वारा की जाएगी। सभी परीक्षा केन्द्रों पर तीन मई को सैनीटाइजेशन जांच तथा चार मई को परीक्षा समाप्ति तक पुलिस सुरक्षा उपलब्ध रहेगी। परीक्षा सामग्री को केंद्रों तक ले जाने व वापिस सुरक्षित पहुंचाने के लिए पुलिस एस्कॉर्ट की व्यवस्था होगी। मीडिया और अन्य किसी भी बाहरी व्यक्तियों का परीक्षा केंद्रों में प्रवेश पूर्णतः वर्जित रहेगा।

सीसीटीवी व मोबाइल जैमर की होगी व्यवस्था : डीसी

शिक्षा विभाग के अधिकारियों को सभी परीक्षा केंद्रों पर एनटीए के दिशा-निर्देशानुसार सीसी टीवी कैमरे, मोबाइल जैमर, बायोमेट्रिक व फ्रिस्किंग जैसी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने को कहा गया है। परीक्षा केंद्रों में केवल अधिकृत परीक्षा कर्मी, परीक्षार्थी, एनटीए व जिला प्रशासन के अधिकारी ही प्रवेश कर सकेंगे। सभी ड्यूटी मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने परीक्षा केन्द्रों का पूर्व निरीक्षण कर लें तथा परीक्षा दिवस पर व्यक्तिगत रूप से कानून व्यवस्था बनाए रखें।

जींदः ईंट भट्ठे की दिवार गिरी, छह श्रमिक जख्मी, एक पीजीआई रेफर

- भट्ठे पर ट्रैक्टर में ईंट भरते समय हुआ हादसा, जांच जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गांव खांडा तथा ईगराह के बीच ईंट भट्ठे की दिवार गिरने से छह मजूदर घायल हो गए। सभी मजदूरों को नगरिक अस्पताल लाया गया। जहां से एक मजदूर की गंभीर हालात देख पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया। पुलिस को सूचना दे दी गई है।

गांव खांडा तथा ईगराह के बीच कृष्णा भट्ठे पर ईंट भरने के दौरान भट्ठे की अचानक दीवार गिर गई। जिसमें मजदूर मोहित, रमेश, सोनू राजू, शिवांशु तथा अशोक दीवार के नीचे दब गए। मौके पर मौजूद अन्य मजदूरों ने ईंटों के नीचे दबे मजदूरों को बाहर निकाला और नागरिक अस्पताल पहुचाया। जहां पर चिकित्सको ने मजदूर अशोक की गंभीर हालात देख उसे पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया। मजदूर मोहित ने बताया कि वे ईंट भट्ठे से ट्रैक्टर में ईंट भर रहे थे कि अचानक भट्ठे की दीवार उन पर गिर गई। जिसके चलते वह तथा उसके साथी ईंटों के मलबे के नीचे दब गए। सभी घायल मजदूर यूपी के रहने वाले हैं और ईंट भट्ठे पर कार्य करते हैं। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है।

अच्छी कमाई के लिए रोबोटिक इंजीनियरिंग में बनाएं करियर

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

रोबोटिक इंजीनियरिंग एक ऐसा कोर्स है जिसकी मौजूदा समय में काफी डिमांड बढ़ गई है। यह ऐसा कोर्स है, जिसको करने के बाद स्टूडेंट्स के लिए जॉब के काफी अवसर बढ़ जाते हैं, अच्छी बात यह है कि ये कोर्स आप देश और विदेश दोनों जगह से कर सकते हैं। इसमें खर्च भी बहुत अधिक नहीं आता है। जॉब और मुनाफे के लिहाज से भी इस कोर्स की काफी अहमियत है। आने वाला समय रोबोट का ही है। ऐसे में इस फील्ड में नौकरी के बहुत अच्छे अवसर मिलेंगे। ऐसे में इस खबर के जरिए हम आपको बताएंगे कि आखिर इस कोर्स को करने के लिए आपके पास क्या योग्यता होनी चाहिए और आप इसमें कैसे करियर बना सकते हैं।

क्या है रोबोटिक इंजीनियरिंग

यह एक तरह का ऑटोमेटिक मैकेनिकल डिवाइस है, जो कंप्यूटर प्रोग्रामिंग या मशीनी प्रोग्रामिंग भाषा की सहायता से काम करता है। इस सिस्टम में सेंसर, कंट्रोल सिस्टम, पावर सप्लाई और सॉफ्टवेयर जैसी चीजें एक साथ वर्क करती हैं। अगर हम रोबोटिक्स इंजीनियरिंग की बात करें तो यह कई ब्रांचों से मिलकर बनी है। इसमें कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर और मैकेनिकल इंजीनियर मिलकर रोबोट के डिजाइन , कंस्ट्रक्शन , पावर सप्लाई , इन्फॉर्मेशन प्रोसेसिंग और सॉफ्टवेयर पर काम करता है।

जरूरी योग्यता क्या हैं

रोबोटिक्स के क्षेत्र में अगर आप अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं क्लास साइंस स्ट्रीम से करना होगा। इसके बाद आप मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल , बीई या कंप्यूटर साइंस जैसे कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं। वहीं, बैचलर की डिग्री पूरी करने के बाद आप रोबोटिक्स में मास्टर्स डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। इस क्षेत्र में अच्छा करियर बनाने के लिए आपको इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल और कंप्यूटर साइंस में जुड़ी अच्छी जानकारी होनी चाहिए। रोबोटिक कोर्स एक तरह से लॉन्गटर्म रिसर्च ओरिएंटिड कोर्स है। आप इस क्षेत्र से जुड़े कुछ शार्ट टर्म्स कोर्सेज जैसे आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स , एडवांस रोबोटिक्स सिस्टम भी करके अपना करियर बना सकते हैं।

आखिर क्यों खास है यह कोर्स

रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन इंजीनियरिंग करने के बाद आपके पास अनगिनत जॉब के मौके होते हैं। ये कोर्स करने के बाद आप रोबोट के रिसर्च एंड डेवलपमेंट, रोबोट मैन्युफैक्चरिंग एंड टेस्टिंग, क्वालिटी कंट्रोल के सेक्टर में कार्य कर सकते हैं। यहां पर आप रोबॉटिक्स इंजीनियर, रोबॉटिक्स साइंटिस्ट, टेक्नीशियन के तौर पर जॉब कर सकते हैं। वहीं रोबोटिक्स में मास्टर डिग्री करने वाले छात्र इसरो और नासा जैसे अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन में जा सकते हैं। इस फील्ड के उम्मीदवारों को नासा के अलावा अन्य बहुत से प्राइवेट इंडस्ट्रीज, ऑटोमोबाइल्स और इंडस्ट्रीयल टूल्स में जॉब के अवसर मिलते हैं। इसके अलावा आप चाहें तो सेफ्टी रोबोटिक्स जैसे कि मिलिट्री या बम्ब निष्क्रिय करने वाले रोबोटिक्स के सेक्टर में भी करियर बना सकते हैं। इन जगहों पर आपको रोबोटिक्स प्रोग्रामर, रोबोटिक्स डिजाइन इंजीनियर, रोबोटिक्स सिस्टम इंजीनियर, रोबोट टेस्ट इंजीनियर, ऑटोमेटेड प्रोडक्ट डिजाइन इंजीनियर जैसे जॉब प्रोफाइल पर रहकर कार्य करना होगा।

यहां-यहां कर सकते हैं कोर्स

रोबोटिक्स इंजीनियरिंग आप इंडिया में भी कर सकते हैं, क्योंकि यह कोर्स आईआईटी हैदराबाद, कानपुर, मुंबई, दिल्ली, गुवाहाटी, मद्रास, रूडकी सहित विदेश से भी कर सकते हैं। इसके लिए आप सबसे पहले यह स्टडी करें कि किस यूनिवर्सिटी से कोर्स करना चाहते हैं। वहां पाठ्यक्रम विवरण, निवास के लिए आवश्यक शर्तें और रोजगार परमिट, ट्यूशन खर्च और अन्य जानकारी सहित सभी प्रासंगिक जानकारी की जांच अवश्य कर लें।

कॉलेज	शहर
इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी	कानपुर
इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी	हैदराबाद
इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी	रुड़की
एमिटी यूनिवर्सिटी	गुरुग्राम
मणिपाल इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी	मणिपाल
चिल्ड्रन्स यूनिवर्सिटी	वडोदरा
यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग	हैदराबाद
गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी	दिल्ली
एनआईई मैसूर	मैसूर
पीएसजी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी	कोयंबटूर
इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ इन्फॉर्मेशन	इलाहाबाद

जर्मनी से कर सकते हैं कम खर्च में डिग्री

जर्मनी में विश्वविद्यालय रोबोटिक्स में मास्टर डिग्री प्राप्त करने के इच्छुक भारतीय छात्रों सहित अंतरराष्ट्रीय छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं। जर्मनी में, कई विश्वविद्यालय रोबोटिक्स कायक्रम में मास्टर्स डिग्री एमएस के लिए अच्छे अवसर हैं। रोबोटिक्स प्रोग्राम में जर्मन मास्टर का कोर्स दो साल तक चलता है और 5,000 से 20,000 यूरो के बीच खर्च होता है। यहां कोर्स करने के बाद छात्रों के लिए कॅरियर के अच्छे अवसर हैं।

यहां मिलेंगे ये जॉब करने के अच्छे अवसर

रोबोटिक्स इंजीनियरिंग करने के बाद आपके लिए जॉब के कई अवसर खुल जाते हैं, आप सेफ्टी रोबोटिक्स में जैसे मिलिट्री या बम निष्क्रिय करने वाले सेक्टर में करियर बनाने के साथ ही रोबोटिक्स प्रोग्रामर, रोबोटिक्स डिजाइन इंजीनियरिंग, रोबोटिक्स सिस्टम इंजीनियर, रोबोट टेस्ट इंजीनियर, ऑटोमेटेड प्रोडक्ट डिजाइन इंजीनियर जैसे जॉब प्रोफाइल में रहकर काम करना होगा। रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन इंजीनियरिंग करने के बाद आपके पास जॉब के कई विकल्प होते हैं। यही कारण है कि अब रोबोटिक्स इंजीनियरिंग की डिमांड बढ़ती जा रही है। रोबोटिक्स इंजीनियरिंग एक हाई सैलरी प्रोफेशन है। रोबोटिक्स इंजीनियरिंग के बाद आपके पैकेज की शुरुआत प्रति वर्ष 10 लाख रुपये से 20 लाख रुपये प्रति वर्ष के बीच होती है, जो आपके अनुभव के अनुसार बढ़ती रहती है।

तकनीकी उपकरणों से बातचीत के तरीकों में बढ़ाएं रुचि

वॉइस यूज़र इंटरफेस डिजाइनर ; शानदार करियर विकल्प, रचनात्मकता और तकनीकी ज्ञान का मेल

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

यदि आप भी तकनीकी उपकरणों से बातचीत के नए तरीकों में रुचि रखते हैं और यह मानते हैं कि भविष्य में लोग स्क्रीन की बजाय अपनी आवाज़ से उपकरणों को संचालित करेंगे, तो वॉइस यूज़र इंटरफ़ेस डिज़ाइनर बनना एक शानदार करियर विकल्प हो सकता है। यह पेशा रचनात्मकता, भाषा और तकनीकी ज्ञान का मेल है, जो डिजिटल दुनिया को और अधिक मानवीय तथा सहज बनाता है। एक वॉइस यूज़र इंटरफ़ेस डिज़ाइनर का मुख्य कार्य यह सुनिश्चित करना होता है कि उपयोगकर्ता किसी मशीन या सॉफ़्टवेयर से स्वाभाविक और प्रभावी संवाद कर सके। वे यह तय करते हैं कि उपयोगकर्ता क्या बोलेंगे, प्रणाली कैसे समझेगी, और उसे कैसे उत्तर देना चाहिए। इसके लिए उन्हें उपयोगकर्ता अनुभव (यूएक्स), भाषाविज्ञान, मनोविज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का अच्छा ज्ञान होना चाहिए।

डिजिटल दुनिया को सहज बनाने में सक्षम

प्रमुख कार्य क्षेत्र

- **मार्ट स्पीकर और डिजिटल सहायक** : जैसे अमेज़न एलेक्सा, गूगल असिस्टेंट
- **स्वचालित वाहन प्रणालियां** : आवाज़ द्वारा कार को नियंत्रित करना
- **स्वास्थ्य सेवाएं** : रोगियों से वॉइस नोट लेना, दवा रिमाइंडर
- **ग्राहक सेवा केंद्र** : आवाज़ आधारित उत्तरदाता प्रणाली
- **शिक्षा और विशेष आवश्यकता वाले उपयोगकर्ता** : दृष्टिहीन या अशक्तजनों के लिए वॉइस टूल्स

रोज़गार के अवसर

वॉइस यूज़र इंटरफ़ेस डिज़ाइन केवल तकनीकी कंपनियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हेल्थकेयर, ऑटोमोबाइल, एजुकेशन, बैंकिंग, कस्टमर सर्विस और एंटरटेनमेंट जैसे अनेक क्षेत्रों में तेजी से फैल रहा है। जैसे-जैसे लोग वॉइस असिस्टेंट्स और स्मार्ट डिवाइसेज़ के ज़रिए तकनीक से जुड़ने लगे हैं, वैसे-वैसे इस क्षेत्र में विशेषज्ञों की मांग भी बढ़ती जा रही है। एक वॉइस यूआई डिज़ाइनर न केवल टेक्नोलॉजी कंपनियों में नौकरी कर सकता है, बल्कि स्वतंत्र कंसल्टेंट, स्टार्टअप संस्थापक या शोधकर्ता के रूप में भी अपनी भूमिका निभा सकता है। इस क्षेत्र में अनुभव के साथ आप प्रोडक्ट लीड, यूएक्स डायरेक्टर या एआई डिज़ाइन स्ट्रैटेजिस्ट जैसी महत्वपूर्ण भूमिकाओं तक पहुँच सकते हैं।

तेजी से उभरता हुआ करियर

वॉइस यूज़र इंटरफ़ेस डिज़ाइन एक तेज़ी से उभरता हुआ और भविष्य-केन्द्रित क्षेत्र है, जिसमें संवाद, भाषा और तकनीकी समझ का अद्भुत मिश्रण होता है। यदि आप मानवीय अनुभव को तकनीकी दुनिया से जोड़ने में रुचि रखते हैं, तो यह करियर आपके लिए एक उपयुक्त विकल्प हो सकता है।

सुझाव: किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह ज़रूर लें। अधिक जानकारी के लिए आप www.career-jaano.com पर भी विज़िट कर सकते हैं।

शिक्षा और योग्यता

भाषा विज्ञान के संगम पर आधारित

वॉइस यूज़र इंटरफ़ेस डिज़ाइन एक ऐसा क्षेत्र है जो तकनीक, डिज़ाइन और भाषा विज्ञान के संगम पर आधारित है। इस क्षेत्र में सफल करियर के लिए केवल तकनीकी ज्ञान ही नहीं, बल्कि मानव व्यवहार, संवाद शैली और डिज़ाइन सोच की भी अच्छी समझ होना ज़रूरी है। इसलिए यह अनुशंसा की जाती है कि विद्यार्थी बहु-विषयक पढ़ाई करें, जिसमें कंप्यूटर विज्ञान, मानव-कंप्यूटर इंटरफ़ेस, भाषाविज्ञान, और डिज़ाइन जैसे विषय शामिल हों। आज कई अग्रणी संस्थान इन विषयों में विशेष पाठ्यक्रम (कोर्स) प्रदान करते हैं, जिससे छात्रों को इस क्षेत्र की ठोस नींव मिल सके। वॉइस यूज़र इंटरफ़ेस डिज़ाइन में करियर बनाने के लिए आप नीचे दिए गए विषयों में पढ़ाई कर सकते हैं।

यह पढ़ाई करें

- उपयोगकर्ता अनुभव डिज़ाइन (यूएक्स डिज़ाइन)
- कंप्यूटर विज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई)
- भाषाविज्ञान और मनोविज्ञान
- संचार एवं मीडिया अध्ययन
- सांख्यिकी एवं डेटा विश्लेषण

यहां मिलेगी सफलता

कम्युनिकेशन डिज़ाइन : प्रभावी वाक्य संरचना और प्रतिक्रिया योजना
उपयोगकर्ता व्यवहार की समझ : बातचीत करने के तरीके समझना
स्वर विश्लेषण और भाषाई प्रसंस्करण (स्पीच प्रोसेसिंग एवं एनएलपी)
डिज़ाइन उपकरणों का उपयोग जैसे वौइस् फ्लो, फिगमा, डायलॉगफ्लो
डेटा विश्लेषण एवं उपयोगकर्ता परीक्षण

प्रमुख शैक्षणिक संस्थान और पाठ्यक्रम

सरकारी संस्थान

1. **भारतीय** प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), बॉम्बे
पाठ्यक्रम: ह्यूमन कंप्यूटर इंटरेक्शन और डिजाइन में स्नातकोत्तर
2. **भारतीय** सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी), हैदराबाद
पाठ्यक्रम: एनएलपी और मशीन लर्निंग में एम.टेक
3. **भारतीय** विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु
पाठ्यक्रम: कंप्यूटर साइंस एंड नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग में अनुसंधान कार्यक्रम
4. **जवाहरलाल** नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली
पाठ्यक्रम: लैंग्वेज इंटरफ़ेस में एम.ए./एम.फिल
5. **भारतीय** जन संचार संस्थान (आईआईएमसी), नई दिल्ली
पाठ्यक्रम: डिजिटल मीडिया और कम्युनिकेशन डिजाइन में

निजी संस्थान

1. **पर्ल अकादमी,** नई दिल्ली/मुंबई
पाठ्यक्रम: डिजिटल इंटरफ़ेस डिजाइन में स्नातक कार्यक्रम
2. **एमिटी** विश्वविद्यालय, नोएडा
पाठ्यक्रम: यूजर इंटरफेस एवं डिजाइन में बी.डिजाइन
3. **मणिपाल** प्रौद्योगिकी संस्थान, कर्नाटक
पाठ्यक्रम: कंप्यूटर विज्ञान और आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस में बी.टेक
4. **सिम्बायोसिस** इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, पुणे
पाठ्यक्रम: वौइस् और इंटरफ़ेस डिजाइन में स्नातक कोर्स
5. **अपग्रेड** (ऑनलाइन), गूगल प्रमाणन के साथ
पाठ्यक्रम: वौइस् बेस्ड इंटरफ़ेस डिजाइन और यूजर एक्सपीरियंस में सर्टिफिकेट कोर्स

आवश्यक कौशल

वॉइस यूज़र इंटरफ़ेस डिज़ाइनर बनने के लिए तकनीकी दक्षता के साथ-साथ संवाद कौशल, रचनात्मकता और उपयोगकर्ता की सोच को समझने की क्षमता भी आवश्यक होती है। इस पेशे में आपको मशीन को इंसानों की तरह सोचने और बोलनेश्र लायक बनाना होता है, इसलिए संवाद संरचना, उपयोगकर्ता अनुभव डिज़ाइन, और मशीन लर्निंग जैसे क्षेत्रों की जानकारी अनिवार्य है। इसके अलावा, अलग-अलग उपकरणों और सॉफ़्टवेयर का प्रयोग, उपयोगकर्ता परीक्षण, और बहुभाषी इंटरफ़ेस डिज़ाइन करने की क्षमता भी इस क्षेत्र में सफलता दिला सकती है।

योग्यता

तकनीकी कंपनियां : गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेज़न, टाटा एलेक्सी
ऑटोमोबाइल कंपनियां : टेस्ला, महिंद्रा, टाटा मोटर्स
स्वास्थ्य सेवाएं : एआई हेल्थ स्टार्टअप्स जैसे 1 एमजी, पोर्टिया
डिज़ाइन एजेंसियां : टीसीएस इंटरएक्टिव, ओगिल्वी डिज़ाइन
फ्रीलांस कार्य : प्रोजेक्ट आधारित स्वतंत्र काम और परामर्शदाता सेवाएं

वेतन और संभावनाएं

भारत में भी डिजिटलीकरण और बहुभाषी वॉइस असिस्टेंट्स की आवश्यकता को देखते हुए यह क्षेत्र भविष्य में अपार संभावनाएं प्रदान करता है। यदि आप तकनीकी विशेषज्ञता के साथ-साथ रचनात्मक और भाषाई सोच रखते हैं, तो यह क्षेत्र आपके लिए वैश्विक अवसरों के द्वार खोल सकता है। एक वॉइस यूज़र इंटरफ़ेस डिज़ाइनर के लिए निम्न प्रकार के वेतन एवं अवसर होते है।

- **प्रारंभिक वेतन:** 40,000 से 80,000 रुपये प्रतिमाह
- **मध्यम अनुभव (5 वर्षों तक):** 1,00,000 से 2,50,000 रुपये प्रतिमाह
- **वरिष्ठ स्तर:** 25 लाख से 40 लाख रुपये वार्षिक (कंपनियों और अनुभव पर निर्भर)
- **फ्रीलांसर:** प्रति प्रोजेक्ट 1 लाख से 5 लाख रुपये तक या 1,000 से 5,000 रुपये प्रति घंटा

प्रेरणा का आधार बाहरी सामाजिक अपेक्षाओं में नहीं, बल्कि आत्म-जागरूकता में निहित

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

आज की तेज़-रफ़्तार दुनिया में विद्यार्थियों के सामने न केवल शैक्षिक चुनौतियां हैं, बल्कि सामाजिक, भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक दबाव भी हैं। प्रेरणा, जो कभी केवल "कड़ी मेहनत" और "लक्ष्य प्राप्ति" के इर्द-गिर्द घूमती थी, अब एक गहरे और समग्र दृष्टिकोण की मांग करती है। यह लेख विद्यार्थी प्रेरणा को एक नए, अनोखे नजरिए से देखता है, जो परंपरागत तरीकों से हटकर है और आत्म-खोज, रचनात्मकता, और आंतरिक शक्ति पर केंद्रित है। प्रेरणा का आधार बाहरी पुरस्कारों या सामाजिक अपेक्षाओं में नहीं, बल्कि आत्म-जागरूकता में निहित है। विद्यार्थियों को यह समझने की जरूरत है कि वे कौन हैं, उनकी रुचियां क्या हैं, और वे क्या हासिल करना चाहते हैं। यह प्रक्रिया एक डायरी लिखने, ध्यान करने, या अपने शौक को समय देने जैसी छोटी-छोटी गतिविधियों से शुरू हो सकती है।

रुचियां और पढ़ाई हो सकते हैं एक-दूसरे के पूरक

उदाहरण के लिए, अगर कोई विद्यार्थी संगीत में रुचि रखता है, तो उसे गणित को संगीत की लय से जोड़कर समझाया जा सकता है। यह न केवल विषय को रोचक बनाता है, बल्कि विद्यार्थी को यह एहसास भी दिलाता है कि उसकी रुचियाँ और पढ़ाई एक-दूसरे के पूरक हो सकते हैं।

असफलता को गले लगाना : हमारे समाज में असफलता को अक्सर नकारात्मक रूप में देखा जाता है, लेकिन इसे प्रेरणा का एक शक्तिशाली स्रोत बनाया जा सकता है। विद्यार्थियों को यह सिखाना जरूरी है कि असफलता अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है। इसके लिए शिक्षकों और अभिभावकों को "ग्रोथ माइंडसेट" को प्रोत्साहित करना चाहिए। यह दृष्टिकोण विद्यार्थियों को विश्वास दिलाता है कि मेहनत और अभ्यास से वे बेहतर हो सकते हैं।

एक मजेदार गतिविधि हो सकती है: विद्यार्थियों से उनकी "सबसे बड़ी असफलता" की कहानी लिखने को कहें और फिर उससे क्या सीखा, यह साझा करने को कहें। यह न केवल उन्हें आत्म-विश्लेषण करने में मदद करता है, बल्कि उनके अंदर यह विश्वास भी जगाता है कि हर चुनौती एक अवसर है।

रचनात्मकता को प्रेरणा का ईंधन बनाना: पारंपरिक प्रेरणा तकनीकें जैसे टाइम-टेबल बनाना या इनाम की उम्मीद करना अब पुरानी पड़ चुकी हैं। आज के विद्यार्थी रचनात्मकता से प्रेरित होते हैं।

समुदाय और सहयोग की शक्ति

प्रेरणा केवल व्यक्तिगत नहीं होती; यह सामूहिक भी हो सकती है। जब विद्यार्थी एक-दूसरे के साथ सहयोग करते हैं, तो वे न केवल नई चीजें सीखते हैं, बल्कि एक-दूसरे को प्रेरित भी करते हैं। समूह प्रोजेक्ट्स, पीयर-टू-पीयर शिक्षण, या क्लब गतिविधियाँ विद्यार्थियों में यह भावना जगाती हैं कि वे अकेले नहीं हैं। स्कूलों में "प्रेरणा सर्कल" बनाए जा सकते हैं, जहाँ विद्यार्थी सप्ताह में एक बार इकट्ठा होकर अपनी उपलब्धियाँ, चुनौतियाँ, और सपने साझा करें। यह न केवल उन्हें भावनात्मक समर्थन देता है, बल्कि एक सकारात्मक और प्रेरणादायक माहौल भी बनाता है।

प्रेरणा का रखरखाव: छोटे कदम, बड़े सपने प्रेरणा को बनाए रखने के लिए बड़े लक्ष्यों को छोटे-छोटे कदमों में तोड़ना जरूरी है। विद्यार्थियों को यह सिखाना चाहिए कि हर छोटी उपलब्धि मायने रखती है। उदाहरण के लिए, अगर कोई विद्यार्थी बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहा है, तो उसे हर अध्याय पूरा करने के बाद खुद को बधाई देने के लिए प्रोत्साहित करें। यह छोटी जीतें आत्मविश्वास को बढ़ाती हैं और लंबे समय तक प्रेरणा बनाए रखती हैं। साथ ही, विद्यार्थियों को यह भी याद दिलाना चाहिए कि प्रेरणा का मतलब हर समय उत्साहित रहना नहीं है। कुछ दिन आलस भरे हो सकते हैं, और यह ठीक है। ऐसे समय में खुद के साथ दयालु होना और धीरे-धीरे वापस लय में आना महत्वपूर्ण है।

सामान्य ज्ञान

1. किस हिमालय चोटी को सागरमाथा कहते हैं ?
(ए) नंगा पर्वत
(बी) धौलागिरि
(सी) माउंट एवरेस्ट
(डी) कंचनजंघा

2. एडमंड हिलेरी तथा तेनजिंग नोर्गे द्वारा विश्व की सर्वोच्च पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट पर सबसे पहले किस वर्ष विजय प्राप्त की गई ?
(ए) 1898 ई. में
(बी) 1953 ई. में
(सी) 1957 ई. में
(डी) 1969 ई. में

3. नंदा देवी चोटी है -
(ए) असम हिमालय का भाग
(बी) कुमायूं हिमालय का भाग
(सी) नेपाल हिमालय का भाग
(डी) पंजाब हिमालय का भाग

4. हिमालय पर्वत की एक श्रेणी अराकानयोमा कहाँ स्थित है ?
(ए) बलूचिस्तान
(बी) म्यांमार
(सी) नेपाल
(डी) थाईलैंड

5. जम्मू-कश्मीर में स्थित निम्नलिखित पर्वत श्रेणियों का पूर्व से पश्चिम की और क्रम होगा 1. जास्कर श्रेणी 2. पीरपंजाल श्रेणी 3. काराकोरम श्रेणी 4. लद्दाख श्रेणी
(ए) 4,3,1,2
(बी) 2,1,3,4
(सी) 3,4,1,2
(डी) 1,2,3,4

6. भारत की सर्वोच्च पर्वत श्रेणी कौन - सी है ?
(ए) गॉडविन ऑस्टिन
(बी) कंचनजंघा
(सी) नंदा देवी
(डी) एवरेस्ट

7. कुल्लू घाटी निम्नलिखित पर्वत श्रेणियों के बीच अवस्थित है -
(ए) धौलाधार तथा पीरपंजाल
(बी) रणज्योति तथा नागटिब्बा
(सी) लद्दाख तथा पीरपंजाल
(डी) मध्य हिमालय तथा शिवालिक

8. उत्तराखंड का सबसे ऊँचा पर्वत शिखर है -
(ए) बद्रीनाथ
(बी) केदारनाथ
(सी) कामेत
(डी) नंदादेवी

उत्तर 1.(सी) 2.(बी) 3.(बी) 4.(बी) 5.(सी) 6.(ए) 7.(ए) 8.(डी)

खबर संक्षेप

नरवाना में सात मई को लगेगा रोजगार मेला

नरवाना। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानए नरवाना में आगामी 7 मई को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में देश की प्रमुख दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेडए नीमराना ;राजस्थानद्ध द्वारा 150 पदों पर सीधी भर्ती की जाएगी। प्रधानाचार्य ओमपाल ने बताया कि यह अवसर 2021 से 2024 तक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान से उत्तीर्ण युवाओं के लिए खुला है।

हमला कर किया घायल दो के खिलाफ केस दर्ज

जींद। गांव सुरबुरा में हमला कर युवक को घायल करने पर उचाना थाना पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। नरवाना निवासी रोहताश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके पास दो लड़के काम करते हैं। जिन्हें एसी ठीक करने गांव सुरबूरा भेजा गया था। दोनों लड़के हादसे में घायल हो गए।

स्व. दयानंद की पुण्यतिथि पर लगाया रक्तदान कैंप

सफीदों। सफीदों क्षेत्र में समाजसेवा में अग्रणी रहे पिल्लूखेड़ा मार्केट कमेटी के पूर्व चेयरमैन एवं जेजेपी नेता स्व. दयानंद कुंडू की याद में उनकी चौथी तीसरी पुण्यतिथि के पर शुक्रवार को सफीदों में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। अध्यक्षता समाजसेविका ओमपति कुंडू व समाजसेवी अनिल कुंडू ने की। शिविर का शुभारंभ स्व. दयानंद कुंडू की प्रतीमा पर पुष्पांजलि अर्पित करके किया गया। शिविर में करीब 87 लोगों का रक्त संग्रहित किया।

दो किसानों की चार मोटर व सामान चोरी

जींद। गांव बुढ़ाखेड़ा लाठर में बीती रात चोरों ने दो किसानों के खेतों से चार बिजली मोटर समेत अन्य सामान को चोरी कर लिया। जुलाना थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव बुढाखेड़ा निवासी अक्षय ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात चोरों ने उसके खेत से तीन मोटर, बिजली केबल, कुर्सी, पाइप, पड़ोसी रविंद्र के खेत से एक बिजली मोटर को चोरी कर लिया।

मकान में घुस युवती से अश्लील हरकत, केस

जींद। सदर थाना इलाका गांव में घर में घुस युवती के साथ अशील हरकत करने पर सदर थाना पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सदर थाना इलाका गांव की एक युवती ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस पड़ोसी गौरव उनके मकान में घुस आया और अशील हरकत करने लगा।

नाबालिगा को होटल में ले जा दुष्कर्म का आरोप

जींद। नाबालिग लड़की होटल में ले जा दुष्कर्म करने तथा अशील वीडियो तथा फोटो बना ब्लैकमेल करने करने का मामला सामने आया है। महिला थाना पुलिस ने पीड़िता की मां की शिकायत पर आरोपित के खिलाफ दुष्कर्म करने, अपहरण करने, चाइल्ड प्रोटेक्शन एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सदर थाना इलाके की एक महिला ने पुलिस को शिकायत दी है।

स्कूल में कानूनी जागरूकता शिविर

सफीदों। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश कम अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण यशवीर सिंह राठौर के निर्देशानुसार मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मोनिका की अध्यक्षता में शुक्रवार को नगर के राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

हजारी शिव मंदिर में मूर्ति जीर्णोद्धार पर किया हवन

जींद। गांव बुआना स्थित प्राचीन हजारी शिव मंदिर में मूर्ति जीर्णोद्धार किया गया। यह मंदिर प्राचीन समय विक्रमी सम्वत 2015 में बनाया गया था। जिसको बने हुए लगभग 67 साल हो चुके हैं। इसमें शास्त्र विधि द्वारा आचार्य देवी दयाल, अशोक, अनिल, विकास, वजीर ने यज्ञ में सहयोग किया।

डिप्टी स्पीकर ने अधिकारियों को बैठक में दिए निर्देश

हैबतपुर मेडिकल कॉलेज में हर हाल में 3 माह में ओपीडी प्रारंभ हो : मिड्ढा

पहले प्रोजेक्ट था 565 करोड़ का और अब हो गया 1085 करोड़ का

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। अधिकारियों के साथ मंथन करते डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा। फोटो :हरिभूमि

आगामी तीन माह में हर हाल में हैबतपुर में बनाए जा रहे मेडिकल कालेज में ओपीडी की शुरूआत हो जानी चाहिए। इसके साथ ही मेडिकल कालेज के साथ ही पैरामेडिकल कालेज को भी शुरू किया जाना है ताकि इसके लिए एडमिशन प्रक्रिया को जल्द से जल्द शुरू किया जा सके। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने स्पष्ट किया कि तय समयावधि में अगर ओपीडी शुरू नही होती है तो इसके लिए संबंधित अधिकारी जिम्मेवार होंगे।

हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने चंडीगढ़ स्थित अपने कार्यालय में एसीएस सुधीर राजपाल, एचआरडीसी के मैनेजिंग डायरेक्टर, जींद मेडिकल कालेज के ऑफिसिएटिंग डायरेक्टर राजीव महेंद्रू सहित अन्य आला अधिकारी की बैठक ली। बैठक में डिप्टी स्पीकर ने स्पष्ट किया कि वर्ष 2026 में एमबीबीएस कक्षाओं को लेकर विभाग हरसंभव प्रयास कर इसकी शुरूआत करे। वहीं नागरिक अस्पताल जींद में जो ट्रामा सेंटर स्थापित करने की प्रक्रिया है, उस पर भी विभागत त्वरित कार्रवाई अमल में लाए। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि उनके पिता स्व. डा. हरिचंद मिड्ढा का सपना था कि जींद का स्वास्थ्य को लेकर इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत हो और लोगों को मूलभूत सुविधाओं के लिए तरसना न पड़े। अपने स्वर्गीय पिता के इसी सपने को साकार करने के लिए उन्होंने स्वास्थ्य, चिकित्सा, शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने का काम कर रहे हैं।

वर्ष 2025 में हर हाल में लोगों को हैबतपुर मेडिकल कॉलेज में ओपीडी की सुविधा मिल जानी चाहिए। संबंधित विभागीय अधिकारियों को तीन माह का समय है। यहां ओपीडी हर हाल में शुरू हो। हैबतपुर मेडिकल कालेज का निर्माण कार्य जब शुरू हुआ था तो इसकी निर्माण कीमत लगभग 565 करोड़ थी। समय के साथ-साथ लागत बढ़ती गई और इस प्रोजेक्ट की कीमत 1085 करोड़ हो गई है। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने स्पष्ट किया कि हैबतपुर मेडिकल कालेज निर्माण कार्य में देरी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नही है। बजट को लेकर सरकार के पास कोई कमी नही है। साथ ही मेडिकल कालेज निर्माण कार्य की गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाए। डिप्टी स्पीकर ने हैबतपुर मेडिकल कालेज निर्माण एजेंसियों व अधिकारियों से स्पष्ट कहा कि गुणवत्ता व समयसीमा को लेकर देरी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नही की जाएगी।

सरकार हर वर्ग की हितेषी

डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में भाजपा सरकार हर वर्ग को साथ लेकर सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की नीति पर काम कर रही है। सरकार का एक ही प्रयास है कि पंक्ति के अंतिम छौर तक खड़े व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचे। इसी को लेकर जींद की विकास परियोजनाओं को जमीनी स्तर पर उतारने का काम किया जा रहा है। जींद की जनता को जल्द ही हैबतपुर मेडिकल कालेज की सुविधा मिल जाएगी।

गुरुनानक स्कूल फरल में मजदूर दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

पूंडरी। श्रमिकों को सम्मानित करते गुरु नानक पब्लिक स्कूल स्टाफ।

गुरु नानक पब्लिक स्कूल फरल में आज मजदूर दिवस के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्रों ने श्रमिकों के अथक परिश्रम और उनके योगदान को सराहा और उनके सम्मान में विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया।

विद्यालय की प्रधानाचार्य तु बंसल ने छात्रों को संबोधित करते हुए श्रमिकों के महत्व और उनके अधिकारों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि श्रमिक समाज की रीढ़ होते हैं और उनका सम्मान करना हम सभी का कर्तव्य है। छात्रों ने भी श्रमिकों के प्रति सम्मान और आभार प्रकट करने के लिए सुंदर प्रस्तुति दी और उनके योगदान को याद करते हुए नारे लगाए। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों ने भी श्रमिकों के अधिकारों और उनके महत्व पर प्रकाश डाला और छात्रों को जागरूक किया।

जींद। प्रतियोगिता में योग करते हुए अभिषेक। फोटो :हरिभूमि

अभिषेक ने जीते दो गोल्ड

जींद। दिल्ली में हुई एशियन योगा चैंपियनशिप में जींद निवासी अभिषेक शर्मा ने दो गोल्ड मेडल जीत कर जिला का नाम रोशन किया है। अभिषेक इससे पहले कई नेशनल प्रतियोगिताओं में भाग लेकर मेडल जीत चुका है। खेलो इंडिया में भी अभिषेक ने योगा में मेडल जीता था। दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में 25 से 27 अप्रैल तक एशियन योगा प्रतियोगिताएं चली। इसमें जींद के भिवानी रोड निवासी अभिषेक ने दो अलग-अलग मुकाबलों (युपाइन एकल व ट्रेडिशनल ग्रुप मुकाबले) में भाग लिया और दोनों में गोल्ड मेडल जीता। अभिषेक के पिता विनोद कुमार हरियाणा पुलिस में तैनात हैं। शुक्रवार को बताया कि अभिषेक फिलहाल लवली प्रोफेशनल विश्विवद्यालय से बीपीएड कर रहा है। इससे पहले उन्होंने राजकीय कालेज जींद से बीएसएसी कंप्यूटर साइंस की है।

गेहूं उठान की प्रक्रिया में तेजी लाएं अधिकारी : डीसी

जींद। जिले में रबी सीजन के तहत गेहूं की खरीद प्रक्रिया तेजी से जारी है। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि मंडियों में खरीद के साथ-साथ गेहूं उठान की प्रक्रिया में भी तेजी लाई जाए ताकि फसल का बरसात से बचाव किया जा सके। पर्याप्त भंडारण स्थान उपलब्ध हो सके और किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। कहा कि किसानों को उनकी उपज का भुगतान समय पर मिले, प्रशासन की प्राथमिकता है। उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिए कि मंडियों में पारदर्शिता और व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिकारी नियमित निरीक्षण करें और किसी भी स्तर पर देरी न होने दें। गत दिवस तक जिले की विभिन्न मंडियों में कुल 6,72,037 एमटी गेहूं की आवक दर्ज की है। सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए संसाधनों और तकनीकों का उपयोग कर किसान पराली का उचित प्रबंधन करें।

गेट मीटिंग कर प्रदर्शन किया

कैथल। नपा कर्मचारी संघ हरियाणा की राज्य कमेटी के आह्वान पर नप कैथल, पूंडरी, सीवन व चीका मे गेट मीटिंग कर प्रदर्शन किया। जिला नगर अयुक्त, कार्यकारी अधिकारी व सचिवो के माध्यम से शहरी स्थानीय निकाय विभाग के मन्त्री विपुल गोयल विभाग प्रधान सचिव व निदेशक के नाम ज्ञापन भेजा जिसमे मे सफाई दफ्तर व फायर के कर्मचारी शामिल हुए। इसकी अध्यक्षता सभी ब्लॉको के प्रधान ने की संचालन ब्लॉको के सचिवो ने किया। कैथल गेट मीटिंग मे नपा कर्मचारी संघ के राज्य मुख्य संगठन कर्ता व एसकेएस के जिला प्रधान शिवचरण, राज्य उपप्रधान राजेन्द्र सिन्नद राज्य कमेटी सदस्य जयप्रकाश सचिव रामपाल शर्मा उपप्रधान छज्जू राम क्लास फोर के राज्य महासचिव कपिल सिरोही व नगर पालिका कर्मचारी संघ से जिला प्रधान गौरव टांक ने कर्मचारियो को सम्बोधित किया।

कैथल। गेट मीटिंग के दौरान नारेबाजी करते कर्मचारी

कलायत। गांव कोयल में रक्तदाताओं को सम्मानित करते संपूर्ण कोयल व गणमान्य लोग।

61 युवाओं ने किया रक्तदान

कलायत। कलायत क्षेत्र के गांव कोयल में रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया। गांव के पूर्व सरपंच स्वर्गीय रूड़ा राम की स्मृति में आयोजित शिविर में 61 युवाओं ने रक्तदान किया। इसकी शुरूआत युवा समाज सेवी संपूर्ण कोयल ने गांव के बड़े-बुजुर्गों, महिलाओं और युवाओं के साथ की। कोयल ने कहा कि उनके पिता ने सरपंच रहते हुए ग्रामीण विकास के साथ-साथ समाज सेवा का संदेश दिया। उन्होंने हर वर्ग के साथ तालमेल कायम रखते हुए जीवन जिया। उनकी सोच को आत्मसात करते हुए वे समाज सेवा के क्षेत्र में गतिशील हैं। इस दिशा में सभी वर्गों का सहयोग उन्हें मिल रहा है। संपूर्ण ने कहा कि रक्तदान की एक-एक बूंद अकसर जिंदगी व मौत के बीच जूझ रहे लोगों के लिए संजीवनी का कार्य करती है। इसलिए यह बड़ी मानव सेवा है।

मजदूर दिवस मनाया

नरवाना। क्रांतिकारी युवा संगठन और मजदूर एकता केंद्र ने अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर नरवाना के लेबर चौक और अनाज मंडियों में पर्चा वितरण कर नुक्कड़ सभाएं की । संगठन के सदस्य कुलदीप ने अपनी बात रखते कहा कि मई दिवस मजदूरों के संघर्षों का त्योहार है ।आज से 139 साल पहले अमेरिका के शिकागो शहर में मजदूरों ने काम के घंटे कम करवाने के लिए आंदोलन किया और आंदोलन में सात मजदूरों की गोली लगने से मौत हुई । पूंजीवादी सरकार ने इस आंदोलन को कुचलना चाहाए लेकिन इस गोलीबारी के बाद यह आंदोलन अमेरिका में ही नहीं पूरे विश्व में फैल गया। आंदोलन के दबाव में अमेरिका की सरकार ने मजदूरों की मांगों के आगे झुकना पड़ा और काम के घंटे जो पहले कोई निश्चित नहीं थे कानूनी रूप से 8 घंटे करने पड़े।

नरवाना। मजदूर एकता दिवस मनाते हुए। फोटो :हरिभूमि

जींद। मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपते संगठन सदस्य। फोटो :हरिभूमि

डीसी कार्यालय में सौंपा ज्ञापन

जींद। ऑल इंडिया अंबेडकराइट की संयुक्त संघर्ष समिति ने हरियाणा प्रदेश यूनिट के राष्ट्रीय कोर्डिनेटर डा. राजेश महेंदिया के नेतृत्व में उपायुक्त कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से एससी/एसटी, डीएनटी, बीसी, ओबीसी एवं एमसी वर्ग के छात्र व छात्राओं को शिक्षा से जुड़ी समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की गई। डा. राजेश महेंदिया ने ज्ञापन के माध्यम से मांग उठाई कि आठवीं कक्षा तक की पुस्तकों की तुरंत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। कक्षा 9वीं से 12वीं तक के एससी/एसटी छात्रों को सभी सरकारी स्कूलों में निशुल्क पुस्तकें प्रदान की जाएं। ग्यारहवीं, बारहवीं व पोस्टमैट्रिक स्तर के छात्रों की छात्रवृत्ति शीघ्र जारी की जाए। स्कूली छात्रों को मिलने वाली वर्दी व अन्य सहायता राशि में देरी ना हो। खेल नर्सरी में एससी, बीसी वर्ग के आरक्षण को लागू किया जाए।

जींद। प्रतियोगिता में विजेता रहे बच्चे। फोटो :हरिभूमि

आधारशिला स्कूल के खिलाड़ी छाए

जींद। आगरा (उत्तर प्रदेश) में गत 29 अप्रैल से एक मई तक तीसरी लैक्क्रॉस चैंपियनशिप का आयोजन हुआ। यह प्रतियोगिता जॉन मिल्टन पब्लिक स्कूल में आयोजित की । प्रतियोगिता में आधारशिला विद्यालय में से तीन खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इसमें छात्र नितिन ने स्वर्ण पदक, रविंद्र ने कांस्य पदक व कक्षा दसवीं की छात्रा सृष्टि ने रजत पदक जीत कर सफलता का परचम लहराया। इन छात्रों की उपलब्धि पर पूरे विद्यालय में खुशी की लहर है। प्रधानाचार्य सतवीर सिंह गहलावत ने बताया कि खेलों का हमारे जीवन में विशेष महत्व है। आज का विद्यार्थी खेलों में भी अपने भविष्य की सफलता सुनिश्चित कर रहा है। खेलों से हमारे अंदर अनुशासन, नैतिकता व समाजिक सरोकार की भावना का विकास होता है।

एसपी मेमोरियल पब्लिक स्कूल में लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। प्रतियोगिता में विजेता रहे बच्चे। फोटो :हरिभूमि

एसपी मेमोरियल पब्लिक स्कूल में लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में दूसरी कक्षा से नौवीं कक्षा तक के सभी विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। निर्णायक मंडल जिसमें हिंदी अध्यापिकाएं गीता, अनिता छाबड़ा, रणजीत कौर ने बहुत अच्छे से बच्चों को शीट्स चैक करके परिणाम घोषित किया। जिसमें कक्षा वाइस प्रथम द्वितीय एवं तृतीय पोजीशन निकली गई। प्रतियोगिता के सभी विजेताओं को विद्यालय के चेयरमैन बीएस गर्ग ने मोमेंटो देकर सम्मानित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन हमारे विद्यालय के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। क्योंकि हम अपनी लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत करने के लिए यहां एकत्रित हुए हैं। लेखन प्रतियोगिता का उद्देश्य न केवल विद्यार्थियों की लेखन क्षमता को बढ़ावा देना था बल्कि उनकी रचनात्मकता और आत्मविश्वास को भी प्रोत्साहित करना था।

जींद। शपथ लेते महिलाएं। फोटो :हरिभूमि

बरसोला में सभा का आयोजन

जींद। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दरियावाला के तहत बरसोला गांव में सभा का आयोजन किया। जिसमें बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पर शपथ दिलाई। पीएनडीटी एक्ट की जानकारी से अवगत करवाया। एएनएम सुमित ने जागरूक करते कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना बालिकाओं को संरक्षित और सुरक्षित करने के लिए बनाई योजना है। योजना का उद्देश्य बालिकाओं की शिक्षा सुनिश्चित करना, बालिकाओं को शोषण से बचाना व सही व गलत के बारे में अवगत कराना, शिक्षा के माध्यम से लड़कियों को सामाजिक व वित्तीय रूप से स्वतंत्र बनाना, लोगों को इसके प्रति जागरूक करना एवं महिलाओं के लिए कल्याणकारी सेवाएं वितरित करने में सुधार करना, लिंग अनुपात में सुधार करना, बेटियों के अस्तित्व को बचाना एवं उनकी सुरक्षा को सुनिश्चित करना, शिक्षा के साथ बेटियों को अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ाने व उनकी इसमें भागीदारी को सुनिश्चित करना है।

बतौर मुख्यातिथि विधायक आदित्य ने शोभा यात्रा को दिखाई झंडी

भगवान परशुराम जयंती पर निकाली शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

परशुराम जयंती पर विधायक आदित्य का सम्मानित करते समाज के लोग।

भगवान परशुराम स्टूडेंट आर्गेनाइजेशन कैथल ने आज भगवान परशुराम जयंती पर शोभा यात्रा निकाली। हनुमान वाटिका के प्रांगण में ब्राह्मण समाज के साथियों व परशुराम स्टूडेंट आर्गेनाइजेशन द्वारा एक सभा का आयोजन किया गया। विधायक आदित्य सुरजेवाला ने बतौर मुख्यातिथि पहुंचकर भगवान परशुराम की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित कर चरण वंदना की। सुरजेवाला ने हनुमान वाटिका से ब्राह्मण धर्मशाला तक निकाली गई शोभा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। आदित्य ने सभा में मौजूद सभी साथियों को संबोधित करते कहा कि भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम के जी के चरित्र का स्मरण और अनुसरण कर कोई भी व्यक्ति अपने जीवन में सफलता की ऊंचाइयों को हासिल कर सकता है। भगवान परशुराम अत्यंत समझदार, कल्याणकारी और धर्मरक्षक थे। भगवान परशुराम जी शास्त्र एवं शस्त्र विद्या के पूर्ण ज्ञाता रहे हैं। प्राणी मात्र का हित ही उनका सर्वोपरि लक्ष्य रहा। वह तेजस्वी, ओजस्वी, वर्चस्वी महापुरुष हैं। न्याय के पक्षधर होने के कारण भगवान परशुराम जी हमेशा अन्याय का विरोध करते रहे। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम जी ने सदैव दीन दुखियों, शोषितों और पीड़ितों की निरंतर सहायता और रक्षा की है। आदित्य सुरजेवाला ने कहा कि हमें भगवान परशुराम के दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लेना चाहिए।

ये रहे मौजूद

प्रोग्राम के संयोजक रवि शर्मा प्योदा व समस्त टीम द्वारा मुख्यातिथि आदित्य सुरजेवाला को भगवान परशुराम की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया और इस शोभा यात्रा को हरी झंडी दिखाने पर उनका आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में मुख्य तौर पर भगवान परशुराम स्टूडेंट आर्गेनाईजेशन प्रदेश अध्यक्ष नवीन जयहिंद, जिला बार एसोसिएशन प्रधान संदीप शर्मा, दीपक निर्मल, पीएल भारद्वाज एडवोकेट, पार्षद सुशीला शर्मा, ब्लॉक समिति के पूर्व चेयरमैन जयपाल शर्मा, मोहन शर्मा क्योड़क, सतपाल शर्मा, प्रवीण शर्मा को भी भगवान परशुराम की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया।

जींद। हड़ताल में शामिल होने का नोटिस देते हुए। फोटो :हरिभूमि

एसई को सौंपा नोटिस

जींद। हरियाणा पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन संबंधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के निर्देशानुसार अधीक्षक अभियंता को जनस्वास्थ्य अभ्यंत्रिकी विभाग एवं अधीक्षक अभियंता जल सेवाएं परिमंडल को केंद्रीय ट्रेड यूनियनों एवं अखिल भारतीय राज्य कर्मचारी महासंघ द्वारा 20 मई को आयोजित राष्ट्रव्यापी हड़ताल में भाग लेने हेतू नोटिस दिया। इस दौरान तीनों विभागों के मांग पत्र सौंपे गए। जिसमें हरियाणा के कर्मचारियों के लिए अलग से वेतन आयोग गठन करने, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, कौशल रोजगार निगम से हटाए गए कर्मचारियों को नौकरी पर वापस लेने, टर्म अमप्लाई का वेतन 23900 रुपये करने, वेतन के साथ धुलाई भत्ता देने, कैनाल गार्ड को योग्यता अनुसार तृतीय श्रेणी का कर्मचारी का दर्जा देने सहित 21 सूत्रीय मांगपत्र देकर समस्याओं का समाधान करने के ज्ञापन सौंपे।

खबर संक्षेप

चार युवकों ने मारपीट कर किया घायल

कैथल। कैथल के देवीगढ़ रोड रेलवे फाटक के निकट चार युवकों ने मारपीट करते हुए एक युवक को घायल कर दिया। देवीगढ़ रोड सुभाष नगर कैथल के मंगल साहनी ने सिविल लाइन कैथल पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि 21 अप्रैल को दोपहर करीब 3:00 बजे जब उसका 16 वर्षीय बेटा अंकित सुभाष नगर देवीगढ़ रोड रेलवे फाटक के निकट से गुजर रहा था तो चार युवकों ने मिलकर उसके साथ मारपीट करते हुए उसे घायल कर दिया। बाद में आरोपी मौके से फरार हो गए। एएसआई रघुवीर सिंह ने बताया कि पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अलग-अलग स्थानों से नकदी और जेवरात चुराए

कैथल। कस्बा चीका से चोर एक मकान की खिड़की तोड़कर वहां रखे 10 तोले सोना, 10 लाख नगदी व अन्य जेवरात चुराकर ले गए। इस संबंध में गांव भागल के लाल सिंह ने चीका पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि 30 अप्रैल की रात को चोर मकान की खिड़की तोड़कर उसमें घुसे तथा वहां पर रखी 10 लाख की नगदी तथा 10 तोले सोने के जेवरात चुरा कर ले गए। चुराए गए सामान की कीमत करीब 10 लाख रुपए बताई गई है। एएसआई रामपाल ने बताया कि मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रोजगार दिलाने के नाम पर 49900 रुपये ठगे

कैथल। राजौंद पुलिस ने गुलियाना गांव के एक युवक को अमेजॉन कंपनी में रोजगार दिलाने के नाम पर 49900 की धोखाधड़ी करने का मामले में अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव गुलियाना के सुखदेव ने राजौंद पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि 8 मार्च को उसके पास एक व्यक्ति का फोन आया। उसने कहा कि वह अमेजॉन कंपनी में आपको नौकरी दिला सकता है। वह उसकी बातों में आ गया तथा उसके कहे अनुसार अलग-अलग बैंक खातों में 49900 की राशि जमा करवा दी।

मछली का बीज चुराने के आरोप में तीन नामजद

कैथल। सिविल लाइन कैथल पुलिस ने लाखों रुपए का मछली का बीज चुराने के आरोप में तीन व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। देवीगढ़ के जितेंद्र ने बताया कि वह मछली पालन का काम करता है। उसने आरोप लगाया कि 16 मार्च को महबूब, अनुज व एक अन्य व्यक्ति उसके फॉर्म से धोखाधड़ी करते हुए मछली का बीज चुरा कर ले गए। चुराए गए बीज की कीमत 12 लाख 87 हजार 594 बताई गई है। मामले के जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर सुभाष चंद्र ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अपहरण कर गंडासी से मारपीट कर किया घायल

कैथल। कैथल के गांव ग्योंग के निकट जमीन पर कब्जा दिलवाने गए कानूनगो को जबरन उसकी गाड़ी से खींचते हुए मारपीट का मामला प्रकाश में आया है। हलका कैथल के फील्ड कानूनगो रामशरण ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि 1 मई को दोपहर करीब 12:00 बजे वह पटवार भवन कैथल से जीपीएस सर्वर बलविंदर सिंह चहल, गुरमीत चहल को साथ लेकर अपनी गाड़ी से गांव गयोंग के पेट्रोल पंप के निकट जमीन पर कब्जा दिलाने गए थे। वहां पर रामचंद्र, रामलाल, ओमप्रकाश, चरण सिंह, रत्न, अशोक, टिंकू, बलजिंदर, करना, शुभम, बलदेव तथा कर्मा ने मिलकर उसे उसकी गाड़ी से खींचकर उसका अपहरण कर लिया।

जाखौली में एक देश एक चुनाव जागरूकता कार्यक्रम

कलायत। विधानसभा स्तर पर 3 मई को कलायत के गांव जाखौली में एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर कार्यक्रम का आयोजन होगा। भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी और पूर्व राज्य मंत्री कमलेश ढांडा शिरकत करेंगी।

एचएसवीपी के वाटर वकर्स में मुश्किल से 10 से 15 दिनों का पानी बचा

सेक्टरों में पेयजल आपूर्ति का संकट होने पर बढ़ी परेशानी

पिछले दस दिन से अब नहर में नही आ रहा पानी। लगभग दो महीना पहले भी सेक्टरों में पेयजल सप्लाई की किल्लत आ गई थी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जींद। वाटर टैंक में मौजूद पानी।

सेक्टरों में पेयजल सप्लाई का संकट होने पर लोग परेशानी में हैं। एचएसवीपी के वाटर वकर्स में मुश्किल से दस से 15 दिनों का पानी बचा हुआ है। जबकि पिछले दिनों जब नहर आई थी तो शहरी विकास प्राधिकरण ने ट्रैक्टर लगाकर पंप के जरिये लगातार एक सप्ताह तक पानी भरा था। पिछले दस दिन से अब नहर में पानी नहीं आ रहा है। वहीं जल संकट को देखते हुए एचएसवीपी के अधिकारियों का भी सेक्टरवासियों से आह्वान है कि पेयजल को गाड़ी धोने या फिर बाग व बगीचों में पौधों को पानी देने में इस्तेमाल नहीं किया जाए। वहीं सेक्टरवासियों का कहना है कि अभी सेक्टरों में पानी की सप्लाई पर्याप्त मात्रा में नहीं हो रही है। इस कारण सेक्टर छह, सात, आठ और नौ के लगभग 2400 घरों में रहने वाले लगभग आठ हजार लोग परेशान हैं। वहीं सेक्टरवासी सतबीर बांगड़, बिजेंद्र लाठर, वेद आर्य, तस्वीर खटकड़, उज्जवल सिंह और अमित मोर, डा. संजय शर्मा, उपप्रधान एडवोकेट सुशील रोहिल्ला ने बताया कि पानी की किल्लत लंबे समय से चल रही है। लगभग दो महीना पहले भी सेक्टरों में पेयजल सप्लाई की किल्लत आ गई थी। पानी की सप्लाई पूरी तरह नहीं आ रही थी। इसके अलावा पेयजल में सीवरेज का पानी मिलकर आ रहा था। सतबीर बांगड और अमित मोर ने कहा कि एचएसवीपी के वाटर वर्कस में पानी काफी कम है। वाटर वर्कस में काफी मात्रा में सिलेट (रेत की परत) भी जमी हुई है। पिछले लंबे समय से वाटर टैंक की सफाई नहीं हो रही है। इस कारण टैंक में पानी पूरी मात्रा में नहीं भर पाता। अब नहर आई है तो सेक्टरवासियों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ सकता है।

163 जलघर नहरी पानी पर आधारित

जींद जिला की बात की जाए तो यहां 163 जलघर नहरी पानी पर आधारित हैं। जबकि 374 जगह ट्यूब्वैल से पेयजल की सप्लाई होती है। बावजूद इसके नरवाना, उचाना क्षेत्र के 92 जलघरों में पानी की किल्लत है। जनस्वास्थ्य विभाग के एसई विक्रम मोर के अनुसार जहां भी जिला में भाखड़ा नहर से पानी आता है, उन क्षेत्रों में पेयजल की समस्या आई है। इस समय भाखड़ा नहर में पानी नही है। लोगों को भी चाहिए कि पेयजल को व्यथ न गंवाएं और पानी का सदुपयोग करें। पानी की बर्बादी को रोकने के लिए हरसंभव उपाय करें।

19 मई को दोनों नहरों में पानी आएगा

गर्मी के मौसम की शुरूआत हो चुकी है और साथ ही पेयजल संकट भी खड़ा हो रहा है। जलघरों में पानी कम होने की वजह से पेयजल की समस्या लगातार गहरा रही है। कई गांवों में दो-दो दिन में पेयजल सप्लाई आ रही है तो वहीं सेक्टरों में पानी के टैंकर भेज कर काम चलाया जा रहा है। जिला में 150 लीटर प्रति व्यक्ति पानी निर्धारित किया गया है। शहर की बात की जाए तो प्रतिदिन डेढ लाख लीटर पानी की खपत होती है। वही हजारों लीटर पानी कैंपरों के माध्यम से भी सप्लाई होता है। जिला में पिछले माह नौ अप्रैल को हांसी व सुंदर ब्रांच नहर में पानी आया था। 16 अप्रैल तक पानी चलाया जाना था लेकिन जलघरों में भरने के लिए 24 अप्रैल तक पानी चलाया गया। 32 दिन बाद दोबारा नहर में पानी आता है। 16 अप्रैल को पानी बंद होने का समय था। इसलिए अब 19 मई को दोनों नहरों में पानी आएगा। ऐसे में आगामी 18 दिन तक जलघरों में उपलब्ध पानी से काम चलाना होगा।

बरवाला ब्रांच नहर में 350 क्यूसिक पानी ही छोड़ा

जींद जिला की बात की जाए तो यहां से दो नहरें भाखड़ा व बरवाला ब्रांच नहर हैं। भाखड़ा नहर में पानी न के बराबर है जबकि बरवाला ब्रांच नहर में 1500 क्यूसिक पानी आना चाहिए था वहीं केवल 350 क्यूसिक पानी आ रहा है। जिसके चलते पेयजल की समस्या खड़ी हो गई है। वहीं जींद शहर से गुजरने वाली हांसी ब्रांच नहर में 21 मई को पानी आएगा। जोकि फिलहाल बंद है। जिला में 150 लीटर प्रति व्यक्ति पानी निर्धारित किया गया है। शहर की बात की जाए तो प्रतिदिन डेढ लाख लीटर पानी की खपत होती है। वहीं हजारों लीटर पानी कैंपरों के माध्यम से भी सप्लाई होता है। इस समय आए दिन विभाग को शिकायतें मिल रही है कि पानी की सप्लाई नही आ रही है। जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ कर्मबीर सिंह ने बताया कि प्रतिदिन पेयजल सप्लाई किया जा रहा है। पेयजल सप्लाई की शिकायतें मिल रही है तो तुरंत कार्रवाई भी की जा रही है। जितनी पेयजल की मात्रा निर्धारित है, उतना पानी फिलहाल उपलब्ध करवाया जा रहा है।

एचएसवीपी जेई अनुज ढांडा ने बताया कि पेयजल की किल्लत को देखते हुए सेक्टरवासियों से अनुरोध है कि वे पेयजल का प्रयोग गाड़ी धोने या पौधों को पानी देने में नहीं करें। अभी वाटर वक र्स में मुश्किल से 10 से 15 दिन का पानी बचा हुआ है। अभी वाटर वकर्स में पानी कम है। पिछले दिनों जब नहर आई थी तो ट्रैक्टर लगाकर पंप के जरिए वाटर वकर्स में पानी भरा गया था।

प्राइवेट प्ले स्कूलों का पंजीकरण अनिवार्य

- 15 मई तक करवाया जा सकता है पंजीकरण
- दाखिला करवाने से पहले संबंधित प्ले स्कूल की मान्यता को जांचे अभिभावक : कांता यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

महिला एवं बाल विकास विभाग पंचकूला एवं राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग नई दिल्ली द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार जिले में संचालित सभी प्राइवेट प्ले स्कूलों का पंजीकरण करवाना अनिवार्य किया गया है। जिले के सभी प्राइवेट प्ले स्कूल संचालक अपने स्कूल का पंजीकरण विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुसार आगामी 15 मई तक अनिवार्य रूप से करवा लें। निर्धारित तिथि के पश्चात बिना पंजीकरण के संचालित हो रहे प्ले स्कूलों को नियमानुसार बंद करवा दिया जाएगा। डीपीओ कांता यादव ने अभिभावकों से भी अपील की है कि वे अपने बच्चों का दाखिला करवाने से पहले संबंधित प्ले स्कूल की मान्यता एवं पंजीकरण की जांच अवश्य करें ताकि बच्चों को एक सुरक्षित वातावरण मिल सके।

जिला कार्यक्रम अधिकारी कांता यादव ने बताया कि पंजीकरण के लिए कुछ आवश्यक मापदंड निर्धारित किए गए हैं। जिनका पालन करना सभी प्ले स्कूल संचालकों के लिए अनिवार्य है। इनमें प्रमुख रूप से स्कूल को हर वर्ष मान्यता का नवीनीकरण करवाना, 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों का दाखिला लेना, प्ले स्कूल का संचालन 3 से 4 घंटे प्रतिदिन तक सीमित रखना व एक कक्षा में अधिकतम 20 बच्चों पर एक शिक्षक व केयरटेकर की उपस्थिति जरूरी है।

पंजीकरण सभी के लिए लाभकारी : कांता यादव

जिला कार्यक्रम अधिकारी कांता यादव ने बताया कि प्राइवेट प्ले स्कूलों का पंजीकरण सभी के लिए लाभकारी होगा। विशेष रूप से उन अभिभावकों के लिए जिनके नौनिहाल इन स्कूलों में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। पंजीकरण से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि बच्चों को कौन पढ़ा रहा है, वे किस प्रकार के परिसर में पढ़ रहे हैं और क्या उन्हें सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति के लिए प्राइवेट प्ले स्कूलों का पंजीकरण अनिवार्य किया गया है। प्ले स्कूलों के पंजीकरण से संबंधित अधिक जानकारी के लिए आमजन राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अवलोकन कर सकते हैं या फिर विभागीय कार्यालय के दूरभाष नंबर 01681-245003 पर संपर्क कर सकते हैं।

कैथल। ग्राम खेडी लांबा में अवशिष्ट क्लोरीन की जांच करते रसायनज्ञ सुभाष चंद्र।

जल संकट व समाधान के उपायों के प्रति जागरूक किया

कैथल। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, हरियाणा के मुख्य अभियंता के दिशा-निर्देशों के तहत कलायत खंड के गांव कोलेखां में जल आपूर्ति प्रणाली, जल गुणवत्ता जांच और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने हेतु एक संयुक्त विजिट का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपमंडल अभियंता नरेश कुमार, रसायनज्ञ सुभाष चंद्र, जिला सलाहकार दीपक कुमार, कनिष्ठ अभियंता रवि पूनिया और ब्लॉक रिसोर्स कोऑर्डिनेटर चंद्रशेखर उपस्थित रहे। गांव के सरपंच सोनू राम की अध्यक्षता में ग्राम जल एवं सीवरेज समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें समिति के सदस्य शमशेर सिंह, मनीष शर्मा, मनोज नंबरदार, रेखा सुदेश और मीनाक्षी विशेष रूप से मौजूद रहे। विजिट के दौरान जिला सलाहकार दीपक कुमार ने ग्रामीणों को जल संकट और उसके समाधान के उपायों के प्रति जागरूक किया। उपमंडल अभियंता नरेश कुमार ने /"जल है तो कल है/" के महत्व को रेखांकित करते हुए जल संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने ग्राम जल एवं सीवरेज समिति की भूमिका और जिम्मेदारियों की विस्तृत जानकारी दी।

सुरेश सिरोही अंतर्राष्ट्रीय जाट संसद के हरियाणा प्रभारी बने

- 18 मई को जयपुर में जुटेंगे 130 देशों के जाट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

सुरेश सिरोही

अंतर्राष्ट्रीय जाट संसद के संयोजक रामावतार पलसानियां ने कार्यकारिणी का गठन करते हुए सुरेश सिरोही जैलदार को हरियाणा का प्रदेश प्रभारी नियुक्त किया है। पलसानियां ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय जाट संसद का आयोजन 18 मई को राजस्थान की राजधानी जयपुर में किया जाएगा जिसमें दुनिया भर के 130 देशों के जाट समाज के लोग इस भव्य समारोह में शिरकत करेंगे। हरियाणा प्रदेश के लोगों को भी इस समारोह में जोर शोर से भाग लेने का निमंत्रण दिया व सामाजिक एकता, रोजगार सर्जन, कला, शिक्षा व साहित्य की तरफ ध्यान देने की बात कही साथ ही जाट समाज के गौरवशाली अतीत को याद करने व इतिहास को पढ़ने कि जरूरत बताई और जाट समाज राजनीतिक रूप से बहुत कमजोर हो गया है एक दौर हुआ करता था कि जाट समाज से चार से पांच केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री, चार-पांच राज्य मंत्री, दो प्रदेशों के मुख्यमंत्री, चार-पांच प्रदेशों के गवर्नर हमेशा रहे लेकिन पिछले दस से पंद्रह सालों में समाज में एकता की कमी से आज हालात इस कदर हो चुके हैं कि जाट समाज को नजरअंदाज कर प्रदेश और देश की सरकारें चलाई जा रही है इन राजनीतिक चालों को समाज के युवा, बुजुर्गों और प्रबुद्ध लोगों को समझना पड़ेगा और समय रहते हुए इन षड्यंत्र का जवाब देना होगा और यह जवाब जाट एकता से ही दिया जा सकता है। नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष सुरेश सिरोही जैलदार ने कहा कि वे गांव-गांव जयपूर का न्योता दे रहे हैं।

न्यूज डायरी

केंद्र व राज्य सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ 20 मई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल करेंगे

कैथल। शिक्षा विभाग तालमेल कमेटी के घटक हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी यूनियन संबद्ध सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा ने प्रदर्शन करते हुए 20 मई की राष्ट्रव्यापी हड़ताल में शामिल होने का नोटिस जिला शिक्षा अधिकारी के माध्यम से अतिरिक्त मुख्य सचिव शिक्षा विभाग हरियाणा के नाम सौंपा। इसकी अध्यक्षता सयुक्त रूप से दोनों संगठनों के जिला प्रधान रामफल ढयोहरा व छज्जू राम ने व संचालन हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के जिला सचिव अमरनाथ किठानिया ने किया। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार जनशिक्षा को बर्बाद करना चाहती है और शिक्षा विभाग हरियाणा का निदेशालय भ्रष्टाचार का अड्डा बना हुआ है।

हरियाणा सर्व कर्मचारी महासंघ के जिलाध्यक्ष बलबीर सिंह गुंबर को दी सेवानिवृत्ति पर पार्टी

पूंडरी। हरियाणा सर्व कर्मचारी महासंघ के जिलाध्यक्ष बलबीर सिंह गुंबर बिजली निगम में अपने 32 वर्षों के शानदार सेवाकाल के उपरांत सेवानिवृत्त हो गए। गुंबर अपनी सेवाकालीन अवधि में यू.डी.सी. (अपर डिविजन क्लर्क) के पद पर कार्यरत थे और उन्होंने निगम में अपनी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण से सभी का दिल जीता। सेवानिवृत्ति के अवसर पर उनके सहकर्मियों और अधिकारियों ने एक भावभीनी विदाई दी। उन्होंने कर्मचारियों को मेहनत और ईमानदारी से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर निगम के कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे, जिन्होंने बलबीर सिंह गुंबर को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और उनके स्वस्थ, सुखद व समृद्ध जीवन की कामना की।

अधर में लटके रेलवे अंडरपास को लेकर पार्षद डीसी मोहम्मद इमरान रजा को ज्ञापन सौंपा

जींद। नगर पार्षद शिष्टमंडल ने शुक्रवार को भिवानी रोड पर अधर में लटके रेलवे अंडरपास का निर्माण कार्य को जल्द पूरा कराने की मांग को लेकर डीसी मोहम्मद इमरान रजा को ज्ञापन सौंपा। पार्षदों ने कहा कि लगभग तीन साल से छह वार्डों की दो दर्जन कालोनियों के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। डीसी ने नगर पार्षदों को आश्वासन दिया कि जल्द निर्माण कंपनी तथा रेलवे अधिकारियों से बात कर कार्य को पूरा करवाया जाएगा। नगर पार्षद एसोसिएशन के प्रधान सतीश हरियाणवी के नेतृत्व में डीसी से मिले पार्षदों ने बताया कि भिवानी रोड पर दिल्ली-भठिंडा रेलवे लाइन पर लगभग तीन साल पहले रेलवे अंडरपास का कार्य शुरू हुआ था। जिसका कार्य अभी तक पूरा नही हुआ है। निर्माण कार्य अधर में लटका हुआ है।

पहलगांव के शहीदों को श्रद्धांजलि

- लाहौर में फहराया जाए तिरंगा : रविभूषण गर्ग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

कैथल। पहलगांव के शहीदों को श्रद्धांजलि देते एसएसए बाल सदन स्कूल का स्टाफ।

एस एस बाल सदन सीनियर सेकेंडरी स्कूल चंदना गेट ,कैथल में पहल गांव में हुए अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। मां भारती के सम्मुख 28 मोमबत्ती जला किए पुष्प अर्पित। एसएस सोसाइटी के चेयरमैन रवि भूषण गर्ग ने कहा कि 28 लोग भारत मां के अमर शहीद है, जिन्होंने बिना किसी कारण के अपने प्राणो की आहुति दी। सलाम उन जवानों को जो खुद सो गए वतन को जगा कर, जो खुद सो गए, वो हिंदू थे सिख थे, मुसलमान थे, सलाम उनको हिंदू की वो संतान थे। आज पूरा देश ही नहीं समस्त संसार त्राही त्राही कर रहा है ,भारत सरकार के साथ खड़ा है। देश का बच्चा - बच्चा चाहता है कि पाकिस्तान से उसी की भाषा में बदला लिया जाए कूटनीति एवं सैन्यवल के पूरा पाकिस्तान का नाम संसार के नक्शे से मिटाना चाहिए। लाहौर पर हमारे देश की आन बान और शान तिरंगा फहरा देना चाहिए, तभी उन अमीर शहीदों की आत्मा को शांति मिलेगी। इस अवसर विद्यालय की प्रधान राजरानी गर्ग, प्रधानाचार्य हिमांशु गर्ग, कुसुमलता, तृप्ता शर्मा, मधु, मोनिका साराण, पूजा सोनी, सोनम भाटिया, सिमरन सैनी, नेहा,सुरेंद्र सिंह ,सुमित्रा, सुदेश ,शैली, डिंपी,दीपिका,ज्योति, कंचन, केशव मोहन, लकी, जयप्रकाश,महीपाल, सरोज, सुदेश,अनारकली, राज कल्याण ,अन्जु मौजूद रहे।

राजौंद। गली में भारी कीचड़ युक्त गंदगी से गुजरते हुए लोग।

राजौंद में वार्ड नंबर 8 दुर्गा मंदिर को जाने वाली गली की हालत खस्ता, आमजन हो रहा परेशान

राजौंद। वार्ड नंबर 8 दुर्गा मंदिर को जाने वाली गली की दुर्दशा से श्रद्धालुओं को भारी परेशानी उठानी पड रही है। आलम यह है कि इस गली से पैदल भी कोई नहीं गुजर सकता। गुरुवार को कई श्रद्धालुओं को गली की दुर्दशा के कारण मंदिर जाने से पहले ही वापस लौटना पड़ा। बता दें कि दुर्गा मंदिर को जाने वाली गली कुछ माह पहले ही बनी थी लेकिन पेगा मार्ग पर नए जलकर के निर्माण कार्य को लेकर बन रहे टैंकों की मिट्टी लेकर ओवरलोड डंपर यहां से गुजरते हैं। जिससे यह गली पूरी तरह नष्ट हो चुकी है और सरकारी अस्पताल के साथ-साथ का नाला भी पूरी तरह टूट चुका है। गुरुवार शाम हुई बरसात से ही गली से पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया। वार्ड नंबर 8 के अंदर लोगों के वाहन घरों में ही रह गए क्योंकि गली से लोगों को पैदल ही बाहर जाना पड़ा। गुरुवार को कई श्रद्धालु सुबह मंदिर जाने से भी वंचित रह गए क्योंकि गली से एक कदम भी पैदल चलने का रास्ता नहीं रहा।

सैलो टयूब्वैल व स्टोरेज टैंक के बैड को सीसी बैड बनाने की तैयारी

गांगोली पेयजल समस्या पर विभाग ने कसी कमर

- गांव में प्लास्टिक पाइप लाइन की जगह लोहे की पाइप लाइन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जींद। पेयजल सप्लाई की जांच करते हुए रणधीर मताना। फोटो :हरिभूमि

गांव गांगोली में पिछले कुछ दिनों से मिल रही पेयजल समस्या समाधान के लिए जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने कमर कस ली है, जिसके तहत विभाग ने पुराने जलघर की मरम्मत, सभी स्टैक्चर नए, इनलैट चनैल नया व नए जलघर में एक अन्य स्टोरेज टैंक, स्लो टयूब्वैल व स्टोरेज टैंक के बैड को सीसी बैड बनाने के साथ-साथ गांव में प्लास्टिक पाइप लाइन की जगह लोहे की पाइप लाइन का अस्टीमेट तैयार करने में जुटा है। गांव गांगोली की ग्राम जल एवं सीवरेज समिति की बैठक को संबोधित करते हुए जल एवं स्वछता सहायक संगठन के जिला सलाहकार रणधीर मताना ने बताया कि गांव में हर घर तक जल पहुंचाने के लिए विभाग कृत संकलप है। इसके लिए विभाग ग्रामीणों की जरूरत के हिसाब से गांव में पेयजल की सुविधा देने का प्रयास कर रहा है। गांव में पहले से ही दो जलघर है लेकिन ग्रामीणों की मांग पर नए जलघर में एक और स्टोरेज टैंक बनाया जाएगा। पेयजल की जरूरत के लिए जलघर में सैलो टयूब्वैल लगाया जाएगा। इसके साथ ही पहले से बने स्टोरेज टैंक के बैड को बदल कर सीसी बैड बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुराने जलघर कई सालों पहले बना होने के कारण उसमें मुरम्मत के कार्य की जरूरत है। पूरे जलघर की मरम्मत की जाएगी, जलघर के सभी स्टैक्चर व इनलैट चनैल को नया बनाया जाएगा। गांव में कुछ गलियों में पाइप लाइन खराब होने व कुछ गलियों में प्लास्टिक के पाइप डाले जाएंगें। इन सब के लिए विभाग द्वारा अस्टीमेंट तैयार किया जा रहा है। इससे पूर्व स्कूल व आंगनवाड़ी में संबोधित करते हुए जिला सलाहकार रणधीर मताना व खंड समन्वयक सुरेन्द्र दुग्गल ने कहा कि जल अनमोल है इसके बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती।

बाल कल्याण समिति की स्कूल से बंक मार कर इधर-उधर पार्कों में घूमने वाले छात्रों पर नजर

जींद। स्कूल से बंक मार कर इधर-उधर पार्कों में घूमने वाले छात्र व छात्राओं पर बाल कल्याण समिति द्वारा नजर रखी जाएगी। समिति के संज्ञान में आया है कि स्कूल में पढने वाली कुछ नाबालिग छात्राएं स्कूल में न जाकर अपने पुरुष मित्रों के साथ पार्कों में बैठी रहती हैं। जो कि बहुत ही चिंताजनक है। ऐसे विद्यार्थी अपने माता-पिता के साथ-साथ स्वयं को भी धोखा दे रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों में उनके साथ कोई आपराधिक घटना भी घट सकती है। इसीलिए बाल हितों का ध्यान रखते हुए बाल कल्याण समिति ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि वो सभी स्कूलों के मुखियाओं व प्रबंध समिति को अपने विद्यार्थियों पर कड़ी नजर रखने हेतु सख्त निर्देश जारी करें। गौरतलब है कि शहर के पार्कों तथा शिक्षण संस्थानों के आसपास पार्क हैं। जहां लड़के व लड़कियों को बैठे देखा जा सकता है। इनमें कई बार नाबालिग लड़कियां भी होती हैं। ऐसे में पुलिस विभाग को भी बंक मारने वाले ऐसे नाबालिग छात्र व छात्राओं पर नजर रखने के लिए कहा गया है। बिना कारण अनुपस्थित रहने वाले बच्चों की जानकारी बाल कल्याण समिति के चेयरमैन नरेंद्र अत्री ने बताया कि प्रत्येक विद्यालय का दायित्व है कि स्कूल में आने के बाद छात्रों को उचित कारण तथा माता-पिता की अनुमति के छुट्टी से पहले न जाने दें।